

आज की मुरली का सार ---

Date: 20-05-2014

बाबा ने आज बार-बार कहा, बच्चे अपने को आत्मा समझ बैठे हो.

हम सब स्वयं में चेक करें की जब हम बाबा की मुरली हर रोज सुनते हैं तो स्वयं को आत्मा समझ कर सुनते हैं.

अगर हम मुरली सुनते समय स्वयं को आत्मा समझ कर सुनेंगे तो,

- हमारी स्थिति सहज ही अंतर्मुखी होगी.

- मुख शांत रहेगा.

- ये महसूस करेंगे की बाबा मुझे ही मुरली सुना रहे हैं.

- हर बात जो मुरली में आती है, हम स्वयं में चेक कर सकेंगे.

- बाबा जो भी कह रहे हैं वो अंदर समाते जायेंगे.

- मुरली के जो मुख्य बातें हैं वो स्वतः ही याद रहेगी. मुरली पॉइन्टस लिखने की जरूरत नहीं पड़ेगी.

- मुरली के मुख्य पॉइन्टस पर हमारा विचार-सागर-मंथन चलेगा और उसमें से ज्ञान रतन निकाल पायेंगे.

- सबसे मुख्य बात, हमें आत्मिक स्थिति में रहने की प्रैक्टिस होगी.

- मुरली सुनने या सुनाने से पहले 15 मिनिट योग अवश्य करना चाहिये.

जैसे अव्यक्त बापदादा मधुबन में आते हैं और मुरली (महावाक्य) सुनाते हैं तब सब शांति में रहकर, पूरे अटेंशन से, स्वतः ही आत्मिक स्थिति में रहकर हम सब मुरली सुनते हैं वैसे ही हर रोज में बापदादा से डायरेक्ट मुरली सुनता हूँ ये अवेर्नेस में रहकर, सेंटर पर जाकर, संगठन में मुरली सुनना है.

ॐ शांति.